भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

**लोक सभा**

लिखित प्रश्न सं. +95

सोमवार, 19 जुलाई, 2021/28 आषाढ़, 1943 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

**उत्तर प्रदेश में पर्यटक स्थलों की पहचान**

**+95. श्री उपेन्द्र सिंह रावत:**

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) उत्तर प्रदेश सहित संपूर्ण देश में पर्यटन को प्रोत्साहन देने हेतु कार्यान्वित की जा रही योजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने उत्तर प्रदेश में पर्यटन को प्रोत्साहन देने हेतु किसी पर्यटन स्थल की पहचान की है तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार का उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में कुछ प्राचीन किलों और स्थलों की पहचान करने तथा इनमें सुधार करने का प्रस्ताव है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं?

**उत्तर**

**पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)**

(क) से (घ): विकास और संवर्धन मुख्य रूप से राज्य सरकारों/केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासनों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। हालांकि, पर्यटन मंत्रालय आतिथ्य सहित घरेलू प्रचार और संवर्धन योजना के माध्यम से भारत का एक समग्र गंतव्य के रूप में संवर्धन करता है । मंत्रालय अपनी चल रही गतिविधियों के हिस्से के रूप में प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, ऑनलाइन और आउटडोर मीडिया अभियान जारी करता है। इसके अलावा, वेबिनार, सोशल मीडिया अकाउंट्स और मंत्रालय की वेबसाइट के माध्यम से भी सवंर्धन किया जाता है ।

पर्यटन मंत्रालय अपनी स्वदेश दर्शन, तीर्थयात्रा जीर्णोद्धार और आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद) पर राष्ट्रीय मिशन, केंद्रीय एजेंसियों को सहायता नामक योजनाओं के तहत राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र (यूटी) प्रशासनों/केन्द्रीय एजेंसियां को उनके परामर्श से पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है । इन योजनाओं के तहत परियोजनाओं को निधि की उपलब्धता, उपयुक्त विस्तृत परियोजना रिपोर्टों की प्रस्तुति, योजना दिशानिर्देशों के अनुपालन और पहले जारी की गई निधियों के उपयोग आदि की शर्त पर स्वीकृत किया जाता है। इन योजनाओं के तहत परियोजनाओं की मंजूरी एक सतत प्रक्रिया है।

पर्यटन मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं के तहत उत्तर प्रदेश में स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है ।

*****

**अनुबंध**

**उत्तर प्रदेश में पर्यटक स्थलों की पहचान के संबंध में दिनांक 19.07.2021 के लोक सभा लिखित प्रश्न सं +95 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में विवरण**

**स्वदेश दर्शन योजना के तहत उत्तर प्रदेश में स्वीकृत परियोजना का विवरण**

| क्र. सं. | परिपथ/ परियोजना | स्वीकृति वर्ष | परियोजना का नाम | स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में) |
|---|---|---|---|---|
| 1. | बौद्ध परिपथ | 2016-17 | श्रावस्ती, कुशीनगर और कपिलवस्तु का विकास | 99.97 |
| 2. | रामायण परिपथ | 2016-17 | चित्रकूट और श्रृंग्वेरपुर का विकास | 69.45 |
| 3. | आध्यात्मिक परिपथ | 2016-17 | शाहजहांपुर - बस्ती - अहर - अलीगढ़ - कासगंज - सरोसी - प्रतापगढ़ - उन्नालव - कौशांबी - मिर्जापुर - गोरखपुर - कैराना - डोमरियागंज - बागपत - बाराबंकी - आजमगढ़ का विकास। | 65.61 |
| 4. | आध्यात्मिक परिपथ | 2016-17 | बिजनौर - मेरठ - कानपुर - कानपुर देहात - बांदा - गाजीपुर - सलेमपुर - घोसी - बलिया - अंबेडकर नगर - अलीगढ़ - फतेहपुर - देवरिया - महोबा - सोनभद्र - चंदौली - मिशरिख - भदोही का विकास | 67.51 |
| 5. | विरासत परिपथ | 2016-17 | कालिंजर फोर्ट (बांदा) - मरहर धाम (संत कबीर नगर) - चौरी चौरा शहीद स्थाल (फतेहपुर) - मवाहर स्थदल (घोसी) - शहीद स्मारक (मेरठ) का विकास | 33.17 |
| 6. | रामायण परिपथ | 2017-18 | अयोध्या का विकास | 127.21 |
| 7. | आध्यात्मिक परिपथ | 2018-19 | जेवर - दादरी - सिकंदराबाद - नोएडा - खुर्जा - बांदा का विकास | 12.03 |
| 8. | आध्यात्मिक परिपथ | 2018-19 | गोरखनाथ मंदिर (गोरखपुर), देविपत्तन मंदिर (बलरामपुर) और वटवाशिणी मंदिर (डुमरियागंज) का विकास | 15.76 |

**<u>प्रशाद योजना के तहत</u> उत्तर प्रदेश में <u>स्वीकृत परियोजनों का विवरण</u>**

| क्र. सं. | स्वीकृति वर्ष | परियोजना का नाम | स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में) |
|---|---|---|---|
| 1. | 2014-15 | मेगा टूरिस्ट परिपथ के रूप में मथुरा - वृंदावन का विकास (चरण II) | 14.93 |
| 2. | 2014-15 | मथुरा जिले के वृंदावन में पर्यटक सुविधा केन्द्र का निर्माण | 9.36 |
| 3. | 2015-16 | वाराणसी फेज-I का विकास | 20.40 |
| 4. | 2017-18 | गंगा नदी, वाराणसी में क्रूज पर्यटन | 10.72 |
| 5. | 2017-18 | प्रशाद योजना - चरण 2 के अंतर्गत वाराणसी का विकास | 44.60 |
| 6. | 2018-19 | गोवर्धन, मथुरा, उत्तर प्रदेश में अवसंरचना सुविधाओं का विकास | 39.74 |

**पर्यटन अवसंरचना के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता के तहत उत्तर प्रदेश में स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण**

| क्र. सं. | स्वीकृति वर्ष | परियोजना का नाम | केंद्रीय एजेंसी | स्वीकृत राशि (लाख रु. में) |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 2014-15 | वाराणसी/सारनाथ में स्मारकों का प्रदीप्तिकरण (सारनाथ में धमेख स्तूप, सारनाथ में चौखंडी स्तूप, सारनाथ में लालकान का मकबरा और बनारस में मान महल)। | भारत पर्यटन विकास निगम | 512.43 |
| 2 | 2017-18 | वाराणसी, उत्तर प्रदेश में तीन स्मारकों की प्रदीप्तिकरण -<br>1. दशाश्वमेध घाट से दरबंगा घाट (300 मीटर का फैलाव)<br>2. तुलसी मानस मंदिर<br>3. सारनाथ संग्रहालय | केंद्रीय लोक निर्माण विभाग | 293.55 |
| 3 | 2019-20 | राष्ट्रीय जल मार्ग संख्या 1 और 2 पर नदी क्रूज के आरोहण/उतरने के नौ (09) मुख्य बिंदुओं पर घाटों के विकास के लिए सीएफए | भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण | 2803.05 |

*****